दैनिक

CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665

अंक 02/83 | जयपुर | 12 अप्रैल /2025 | शनिवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ: 04

मोदी बोले- सेवा की भावना सरकार की नीति और निष्ठा: आनंदपुर धाम में कहा- सभी समस्याओं का समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा

अशोकनगर/ ग्वालियर। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए युद्ध, संघर्ष और मानवीय मूल्यों से जुड़ी कई चिंताएं हमारे सामने हैं। इनकी जड़ में क्या है। इनकी जड़ में अपने और पराए की मानसिकता है। ये मानसिकता मानव से मानव को दूर करती है। आज विश्व भी सोच रहा है कि इनका समाधान कहां मिलेगा। इनका समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा। अद्वैत यानी यहां कोई द्वैत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को मध्यप्रदेश के अशोकनगर के ईसागढ़ स्थित श्री आनंदपुर धाम पहुंचे। यहां उन्होंने परमहंस अद्वैत मत के तीन प्रमुख मंदिरों के दर्शन किए। उन्होंने आनंद

सरोवर में पुष्प अर्पित किए। इसके बाद मोती हॉल पहुंचकर परमहंस अद्वैत मत के वर्तमान गुरु से मुलाकात की और फिर सत्संग हॉल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित भी किया। पीएम मोदी के साथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, सीएम डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहे।

अशोकनगर में शोक आने से डरता है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया हो, जहां परमार्थ एक परंपरा बन चुका हो, जहां सेवा के संकल्प मानवता के कल्याण का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं है। इसलिए हमारे संतों ने अशोक नगर के बारे में कहा था कि यहां शोक आने से डरता है।

मुश्किलों में ऋषियों ने मार्गदर्शन किया

प्रधानमंत्री ने कहा- हमारा भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती है। जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है, कोई न कोई ऋषि, मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है। हम पूज्य स्वामी अद्वैतानंद महाराज जी के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं।

देश में राम वन गमन पथ का विकास कर रहे

एमपी सरकार अभी से ही उज्जैन सिंहस्थ की तैयारी में जुट गई है। हम देश में राम वन गमन पथ का विकास कर रहे हैं। इसका अहम हिस्सा एमपी से होकर गुजरेगा। एमपी पहले से ही अजब और गजब है। इन कार्यों से उसकी पहचान और मजबूत होगी। पीएम मोदी ने कहा- 2047 तक विकसित भारत बनने का लक्ष्य तय किया है। हमें विश्वास है, इसे हासिल करेंगे। विकास की दौड़ में कई देश अपनी संस्कृति से कट गए, अपनी परंपराएं भुला दी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक आतंकी मारा गया: जंगली इलाके में सेना ने 2-3 आतंकियों को घेरा, एनकाउंटर जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में चल रहे एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक आतंकी मार गिराया है। 2-3 आतंकियों को अभी सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। एनकाउंटर जारी है। अभी तक किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर नहीं है। सुरक्षा बलों ने 9 अप्रैल को चत्रू जंगल के इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी थी, जिसके बाद आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हुई थी। यहां बड़ी तादाद में सुरक्षा बल तैनात हैं। आसपास के गांवों में भी अलर्ट है। स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की गई है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक

पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एलओसी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी। 1 अप्रैल को एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से ने बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की।

इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। सेना ने कहा- हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना एलओसी पर शांति बनाए रखने के लिए साल 2021 के DGSMO समझौते को बनाए रखने की अपील करती है। इधर कठुआ में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

◆ ब्रीफ बॉक्स

ट्रम्प ने 90 दिनों के लिए रोका टैरिफ, चीन पर बढ़ाकर 125 प्रतिशत किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 75 से ज्यादा देशों पर जैसे को तैसा यानी कि रेसिप्रोकल टैरिफ 90 दिनों के लिए रोक दिया है। यह उनके फैसले के साथ ही लागू हो गया है। हालांकि, उन्होंने चीन को इस छूट में शामिल नहीं किया है, बल्कि उस पर लगे टैरिफ को 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया है। ट्रम्प ने यह कार्रवाई चीन की तरफ से लगाए गए जवाबी 84 प्रतिशत टैरिफ के बाद की। इसका मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 225 डॉलर का हो जाएगा।

प्रियंका गांधी बोलीं- केंद्र सरकार ने पीड़ितों के साथ विश्वासघात किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने वायनाड के भूस्खलन से प्रभावित लोगों को ऋण माफी देने से मना कर दिया है। प्रियंका गांधी ने इसे पीड़ितों के साथ विश्वासघात बताया है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, वायनाड भूस्खलन पीड़ितों ने अपनी ज़मीन, घर, और आजीविका सब कुछ खो दिया है। इसके बावजूद सरकार ने उन्हें ऋण माफी देने से मना कर दिया।

सीनियर सिटिजन की रियायत बंद करके रेलवे का 8.9 हजार करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे ने सीनियर सिटिजन को मिलने वाली रियायत बंद करके पांच साल में करीब 8913 करोड़ रुपए बचाए हैं। सीआरआईएस ने आरटीआई के तहत यह जानकारी दी है। सीआरआईएस रेल मंत्रालय के अधीन काम करता है। यह ट्रेन टिकट और यात्री डेटा विकसित करने के साथ ही उसका रखरखाव करता है। 20 मार्च, 2020 से पहले 60 साल से ज्यादा उम्र के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से ज्यादा उम्र की महिलाओं को सभी तरह की ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी।

देश के विकास में बड़ा योगदान कर रहा है गुजरात : अमित शाह

नई दिल्ली।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि सरकार और उद्योगपतियों के बेहतर तालमेल के कारण आज गुजरात ग्लोबल इकोनॉमी का गेटवे बनकर देश के विकास में बड़ा योगदान कर रहा है। शाह नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) के ऐनुअल ट्रेड एक्सपो 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल उपस्थित थे।

सुंदर इन्डस्ट्रियल वातावरण का गुलदस्ता गुजरात में देखा जा सकता है

अमित शाह ने कहा कि आज उद्योग से लेकर तकनीक, आईटी से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर और एमएसएमई से स्टार्टअप और पायनियर इन्डस्ट्री तक हर प्रकार के उद्योग का एक प्रकार से सुंदर इन्डस्ट्रियल वातावरण का गुलदस्ता गुजरात में देखा जा सकता है। गुजरात में उद्योग लगाने में रुचि रखने वाले लोगों को पता है कि यहां उन्हें बिना किसी राजनीतिक दखल के सुविधा और इन्डस्ट्री के अनुकूल वातावरण और बिना हड़ताल वाला एक तंत्र मिलेगा। शाह ने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तत्कालीन गुजरात सरकार चैम्बर के साथ सार्थक चर्चा करने के बाद व्यापारियों, उद्योगपतियों और लघु उद्योगपतियों की बात सुनकर निर्णय लेती थी। भूपेन्द्र पटेल ने उस वातावरण को और मजबूत करने का काम किया है।

शाह बोले- चैम्बर ने युवाओं में उत्साह भरने का काम किया

शाह ने कहा कि मोदी ने उस समय नीति बनाई थी कि यदि इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो हर नागरिक के जीवन में अपने आप सुविधा आएगी। इसी कारण आज गुजरात ग्लोबल इकोनॉमी का गेटवे बनकर देश के विकास में बड़ा योगदान कर रहा है। शाह ने कहा कि गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने गुजरात के विकास में बेहद अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि चैम्बर ने युवाओं में उद्यम, साहस और दुनिया के किसी भी कोने में जाकर व्यापार करने का उत्साह भरने का काम किया है।

आज ईसागढ़ के आनंदपुर धाम आएंगे प्रधानमंत्री मोदी

भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप शुक्रवार को मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर धाम आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे और आनंदपुर धाम स्थित मंदिर परिसर का भ्रमण भी करेंगे। आध्यात्मिक और पारमार्थिक उद्देश्य से स्थापित आनंदपुर धाम 315 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां आधुनिक गौशाला संचालित है, जिसमें 500 से अधिक गौवंश है। आनंदपुर ट्रस्ट यहाँ कृषि कार्य भी कर रहा है। श्री आनन्दपुर ट्रस्ट ग्राम सुखपुर तहसील ईसागढ़ में 1977 से चेरिटेबल अस्पताल संचालित है। यहां मरीजों के लिए 125 बिस्तरों की व्यवस्था है। अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 600 मरीजों की ओ.पी.डी. संचालित है।

जीणमाता मंदिर विवाद में 2 अधिकारी एपीओ, 3 पुलिसकर्मी लाइन-हाजिर

बत्तीसी संघ के तलवार लेकर आने पर रोक; भक्तों के लिए फिर से खोले पट

सीकर

प्रसिद्ध शक्तिपीठ जीणमाता मंदिर विवाद में एक पटवारी और एक सहायक प्रशासनिक अधिकारी को एपीओ करने के साथ ही 3 कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर किया गया है। प्रशासन ने 50 मिनट चली बातचीत में मंदिर ट्रस्ट की सभी मांगें मान ली।

अब बत्तीसी संघ को मंदिर में तलवार लेकर आने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही आगामी मेले से पहले बत्तीसी संघ और मंदिर ट्रस्ट के बीच बैठक होगी। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों के लिए फिर से मंदिर खोल दिया।

दरअसल, जीणमाता मेले के दौरान बत्तीसी संघ से पुजारियों का विवाद हुआ था, जो मारपीट तक पहुंच गया। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट ने पुजारियों से मारपीट करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की। कार्रवाई नहीं होने पर शुक्रवार से मंदिर को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का ऐलान किया गया था।

शुक्रवार सुबह से भक्तों को बिना दर्शन के लौटना पड़ रहा था। हालांकि, जीण भवानी के गर्भ गृह में नित्य पूजा जारी रही। धरनास्थल पर शेखावाटी के साधु-संत और पीठाधीश्वर पहुंचे थे। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो राजस्थान के सभी मठ-मंदिरों को बंद करा दिया जाएगा।

मंदिर खोलने को लेकर 2 बयान आए सामने

एडीएम रतनलाल ने बताया- विवाद में दो कार्मिकों और तीन पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है। पटवारी राजेश कुमार और सहायक प्रशासनिक अधिकारी गजेंद्र सिंह को APO किया गया है, जबकि कॉन्स्टेबल महेंद्र कुमार, मनोज कुमार और रडमल सिंह को लाइन हाजिर किया गया है।

मंदिर के मुख्य पुजारी राकेश ने बताया- दोषी को लाइन हाजिर और एपीओ कर दिया गया है। बाकी की जांच चल रही है। भक्तों के दर्शनों की सुविधा के लिए हमने मंदिर खोलने का निर्णय लिया है। अगर इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होती है तो हम आगे की रणनीति तय करेंगे। प्रशासन ने हमें आश्वस्त किया है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी संबंधों के चलते 2 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने गुरुवार को दो सरकारी कर्मचारियों को आतंकी संबंधों के चलते बर्खास्त करने का आदेश दिया है।

ये हुए बर्खास्त... बर्खास्त कर्मचारियों की पहचान लोक निर्माण विभाग के सीनियर असिस्टेंट इशितयाक अहमद मलिक और जम्मू-कश्मीर पुलिस में असिस्टेंट वायरलेस ऑपरेटर बशारत अहमद मीर के रूप में हुई है।

अबतक कुल 70 को हटाया... एलजी ने संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत दोनों को बर्खास्त किया है। एलजी आतंकी गतिविधियों में शामिल 70 लोगों को अबतक बर्खास्त कर चुके हैं।

नालंदा में आंधी तूफान से 21 की मौत

नालंदा

नालंदा जिले में गुरुवार को आई प्रचंड आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के कारण विशालकाय पेड़ों के गिरने से 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। नालंदा थाना क्षेत्र के ऐतिहासिक नालंदा खंडहर में एक विशाल पीपल का पेड़ जड़ से उखड़ गया। इस हादसे में खंडहर में तैनात एक गार्ड की

खंडहर में गार्ड की मौत... सीएम ने जताया दुःख

पेड़ के नीचे दबकर मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र के सरिलचक गांव निवासी स्व.बसंत लाल के (28) वर्षीय पुत्र राकेश कुमार के रूप में की गई है।

मानपुर में पांच की मौत... इसी प्रकार, मानपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में देवी स्थान के समीप एक विशालकाय पीपल का पेड़ गिरने से भीषण हादसा हुआ। इस घटना में एक व्यक्ति पेड़ के नीचे दबकर मार गया, जबकि चार अन्य लोगों की मौत मंदिर की दीवार गिरने से हो गई।

लाल किला, जामा मस्जिद में बम की झूठी अफवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार सुबह दिल्ली पुलिस को लाल किला और जामा मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी वाला कॉल आया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक बम होने की खबर सुबह 9.03 बजे मिली। इसके बाद टीमें तुरंत दोनों जगह पहुंच गई। चेकिंग के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और कॉल को फर्जी निकला।

वसुंधरा राजे की नाराजगी के बाद सुप्रींटेंडेंट इंजीनियर को हटाया

लापरवाही बरतने वाले कुछ अन्य अफसरों के खिलाफ भी एक्शन की तैयारी

जयपुर

झालावाड़ जिले में पानी संकट को लेकर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की नाराजगी के बाद सरकार में एक्शन शुरू हो गया है। जलदाय विभाग ने झालावाड़ के सुप्रींटेंडेंट इंजीनियर दीपक कुमार झा को पद से हटाकर एपीओ कर दिया है। एपीओ अवधि में दीपक कुमार झा को जलदाय विभाग के चीफ इंजीनियर और अतिरिक्त सचिव के दफ्तर में हाजिरी देने के आदेश दिए हैं। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले कुछ अन्य अफसरों के खिलाफ भी एक्शन की तैयारी है।

जलदाय विभाग के आदेशों के मुताबिक झालावाड़ जिले के जल जीवन मिशन के कामों की प्रगति संतोषजनक नहीं होने, अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने, जल जीवन मिशन के कामों की सही तरीके से मॉनिटरिंग नहीं करने और समय पर निविदाएं आमंत्रित नहीं करने से आए पानी संकट की शिकायतों को देखते हुए सुप्रींटेंडेंट इंजीनियर को एपीओ किया है।

राजे ने पानी संकट पर नाराजगी जताते हुए कहा था- अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं,मैं ऐसा नहीं होने दूंगी

पिछले दिनों झालावाड़ जिले में पानी संकट पर नाराजगी जताते हुए वसुंधरा राजे ने अफसरों को फटकार लगाते हुए नाराजगी जताई थी। इसके बाद वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया पर दो पोस्ट करके अफसरों पर सवाल उठाए थे। राजे ने एक्स पर लिखा था- क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है। अफसर तृप्त हैं। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुंचे। अफसर सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी।

राजे ने कहा था- प्रधानमंत्री जी ने 42 हजार करोड़ जल जीवन मिशन में दिए हैं। पाई-पाई का हिसाब दो कि झालावाड़ के हिस्से की राशि का आपने क्या किया? पेयजल संकट निवारण के लिए हमारी सरकार तो पैसा दे रही है, लेकिन अफसर योजनाओं की सही क्रियान्विति नहीं कर रहे। इसलिए राजस्थान के लोग प्यास से बेचैन हैं। यह तो अप्रैल का हाल है, जून-जुलाई में क्या होगा? अधीक्षण अभियंता सहित कोई अफसर मुझे संतोषजनक जवाब नहीं दे सका,झालावाड़ में यह नहीं चलेगा।

वसुंधरा राजे के तल्ख तेवरों के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। पाटिल ने सोशल मीडिया पर लिखा था- झालावाड़ में जल संकट को लेकर वसुंधरा राजे की उठाई गई चिंता को गंभीरता से लिया है। राजस्थान सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है। वसुंधरा राजे की नाराजगी के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने जलदाय विभाग से पानी संकट को लेकर रिपोर्ट मांगी थी। उस रिपोर्ट में झालावाड़ में जलजीवन मिशन के कामों में देरी को लेकर भी रिपोर्ट तलब की गई थी। सीएम ने इसके बाद जलदाय मंत्री और महके के अफसरों के साथ बैठक कर पानी संकट पर नाराजगी जताई। सीएम ने पानी संकट पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि लोगों को पानी के लिए पेरशान होना पड़ा तो जिम्मेदारों की खैर नहीं होगी, एक्शन होगा।

थ्रेशर में आकर किसान के टुकड़े-टुकड़े हुए

कट्टे की पोटली में इकट्ठे किए गए बॉडी पार्ट्स, सिर पर बंधा गमछा अचानक पट्टे में आया

सवाई माधोपुर

थ्रेशर की चपेट में आकर किसान के टुकड़े-टुकड़े हो गए। उसके शरीर के टुकड़े मशीन में बुरी तरह फंस गए थे। उसे निकालने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ी। मशीन ऊपर से खोलकर एक-एक टुकड़े को इकट्ठा कर कट्टे में बांधा गया। यह सब देखकर मौके पर मौजूद लोगों का कलेजा मुंह को आ गया। मामला सवाई माधोपुर के मलारना डूंगर इलाके का है।

रात के दो से तीन बजे के बीच हुई घटना

मलारना डूंगर के थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया- हादसा गुरुवार देर रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ। बाढ़ बरियारा गांव में भरतलाल के खेत पर थ्रेशर मशीन से गेहूं की कटाई चल रही थी। गांव के ही किसान घनश्याम (45) भी गेहूं की कटाई करवाने के लिए आए हुए थे।

पूरे गांव में मच गया कोहराम

रात में थ्रेशर पर गेहूं की कटाई करवा रहे थे। इसी दौरान उनके सिर पर बांधा गमछा अचानक थ्रेसर मशीन के पट्टे में फंस गया। इसी पट्टे ने झटके से घनश्याम को खींच लिया और उनका शरीर मशीन में चला गया। वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही घनश्याम के टुकड़े-टुकड़े हो गए।

मशीन में बुरी तरह फंस गए थे बॉडी के टुकड़े

गांव वालों ने मलारना डूंगर थाने को सूचना दी। फौरन प्रभारी जितेंद्र सिंह सोलंकी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मशीन के अंदर बॉडी के टुकड़े फंसे हुए थे। जिसने भी यह देखा, उसके रोंगटे खड़े हो गए। मशीन से एक-एक टुकड़े को इकट्ठा किया गया और कट्टे में बांधकर मलारना चौड़ सीएचसी पहुंचाया गया। थान प्रभारी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव दामाद-बेटी को सौंप दिया गया है।

टायर फटने से नेशनल हाईवे पर पलटी तेज रफ्तार कार

श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर कस्बे में अनूपगढ़ मार्ग पर नेशनल हाईवे 911 पर एक तेज रफ्तार कार का टायर अचानक फट गया, जिससे कार पलट गई। यह हादसा गांव 52 एनपी बस स्टैंड पर पेट्रोल पम्प के सामने हुआ। पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में यह पूरा हादसा कैद हो गया। इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई। कार सवार सभी लोग सुरक्षित रहे। रायसिंहनगर इलाके में एनएच-911 स्थित गांव 52 एनपी बस स्टैंड के पास यह हादसा हुआ। जहां तेज रफ्तार एक कार का अचानक टायर फट गया। तेज धमाके के साथ गाड़ी बेकाबू हो गई और पेट्रोल पंप के पास पलट गई। यह पूरी घटना पास ही स्थित पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसा इतना भीषण था कि देखने वालों की सांसें थम गईं। राहत की बात यह रही कि कार में सवार परिवार के सभी लोग सुरक्षित बच गए और किसी को भी कोई गंभीर चोट नहीं आई।

कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी की स्पीड काफी तेज थी, और अचानक टायर फटने से वह सीधे सड़क से फिसलते हुए पलट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू की।

प्रहलाद सबनानी

यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।

दिनांक 9 अप्रेल 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की द्विमासिक बैठक में एकमत से निर्णय लेते हुए रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है एवं इस मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर (स्टेबल) से उदार (अकोमोडेटिव) कर दिया है। इसका आश्य यह है कि आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में वृद्धि नहीं करते हुए इसे या तो स्थिर रखेगा अथवा इसमें कमी की घोषणा करेगा। भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने में मिली सफलता के चलते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय लिया जा सका है। हाल ही के समय में अमेरिका द्वारा अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है जिससे पूरे विश्व भर के लगभग समस्त देशों के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है एवं शेयर बाजार लगातार नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे माहौल में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने की घोषणा एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। वैसे भारत में मुद्रा स्फीति अब नियंत्रण में भी आ चुकी है एवं आगे आने वाले मानसून के दौरान भारत में सामान्य (103 प्रतिशत) बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष रबी के मौसम में गेहूं की बम्पर पैदावार होने का अनुमान लगाया गया है, सब्जियों एवं फलों की कीमत भारतीय बाजारों में कम हुई है, अतः कुल मिलाकर खुदरा महंगाई की दर 4 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी वर्ष 2025-26 में भारत में मुद्रा स्फीति की दर के 4 प्रतिशत के नीचे रहने का अनुमान लगाया गया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर लगातार बदल रहे घटनाक्रम के चलते कच्चे तेल के दाम भी तेजी से घटे हैं और यह 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से घटकर 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। भारत के लिए यह बहुत अच्छी खबर है, क्योंकि, इससे विनिर्माण इकाईयों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी तथा देश में ईंधन की कीमतें कम होंगी और अंततः मुद्रा स्फीति की दर में और अधिक कमी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए इससे आगामी मौद्रिक नीति के माध्यम से रेपो दर में और अधिक कटौती करना सम्भव एवं आसान होगा।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है और भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है और पूर्व में इसके 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, अर्थात, अमेरिका द्वारा अपने देश में होने वाले आयात पर लगाए गए

टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर केवल 0.2 प्रतिशत का असर होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरअसल निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर भी नहीं है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16-17 प्रतिशत भाग ही अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। इसमें से भी अमेरिका को तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 2 प्रतिशत भाग ही निर्यात होता है। अतः ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर अलग अलग दर से लगाए गए टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नगण्य सा प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रहेगी। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इस वर्ष के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का स्तर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा, जो भारतीय रुपए में लगभग 360 लाख करोड़ रुपए बनता है। वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2024 तक के पिछले 10 वर्षों के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना हो गया है। वर्ष 2015 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर (रुपए 180 लाख करोड़) का था और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10वें क्रम पर था। वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिससे विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। साथ ही, भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने के लिए केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज हुई है। देश में विदेशी निवेश का लगातार विस्तार हो रहा है और रोजगार के अवसरों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पी एल आई) लागू की गई है। मुद्रा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की गारंटी पर भारतीय बैंकों (निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित) ने 33 लाख करोड़ रुपए के ऋणों का वितरण किया है। भारत में अनियमित जलवायु परिस्थितियों के बीच भी पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में विस्तार हुआ है जिससे किसानों की आय को स्थिर रखने में सफलता मिली है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की केंद्र सरकार ने विशेष सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी के माध्यम से बहुत अच्छे स्तर पर सहायता की है। इससे इस श्रेणी के कई परिवार अब मध्यम श्रेणी में आ गए हैं एवं भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग की वृद्धि में सहायक बन रहे हैं। देश में लागू किए गए डिजीटलाईजेशन से भी भारत में किए जाने वाले लेनदेन के व्यवहारों में पारदर्शिता आई है और इससे भारत में वस्तु एवं सेवा कर एक उपलब्धि सिद्ध हुआ है। आज भारत में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अप्रत्यक्ष कर संग्रहित हो रहा है तथा इससे देश में बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भरपूर सहायता मिली है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के प□□ात विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने लम्बी छलांग लगाते हुए, विश्व में 10वें से आज 5वें स्थान पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकलन के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 100 प्रतिशत बढ़ा है तो अमेरिका का 65.8 प्रतिशत, चीन का 75.8 प्रतिशत, जर्मनी का 43.7 प्रतिशत और जापान का केवल 1.3 प्रतिशत बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की बनी रहेगी, इस प्रकार भारत वर्ष 2026 में जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2028 में जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जर्मनी, जापान एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत ही थोड़ा अंतर है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 4.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 4.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, वहीं भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है।

यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।

सेंट्रल पार्क में हुआ योग एवं स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम

डॉक्टरों ने बताए रोगों से बचाव के उपाय

मरुधर विशेष

जयपुर। गुरुकुल योग संस्थान के तत्वावधान में बुधवार प्रातः सेंट्रल पार्क में एक विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में योग साधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत योग गुरु महेंद्र सिंह राव के निर्देशन में योग क्रियाओं के अभ्यास से हुई। उन्होंने शरीर को निरोग रखने के लिए नियमित योग अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला और गुरुकुल योग संस्थान द्वारा चलाए जा रहे जनहितकारी कार्यों की जानकारी दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ एवं जीवन रेखा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. नीरज अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने घुटनों के दर्द से पीड़ित लोगों के लिए सरल, प्रभावी उपाय बताए और कहा कि नियमित योगाभ्यास से जोड़ों की समस्याएं काफी हद तक कम की जा सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि "स्वस्थ जीवन की कुंजी हमारी दिनचर्या और शारीरिक सक्रियता में छिपी है।"

कार्यक्रम में जीवन रेखा अस्पताल के डीजीएम अनुराग दीक्षित ने भी सहभागिता की और संस्थान के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में गुरुकुल योग संस्थान के अध्यक्ष रामशरण गुप्ता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।

संवाद से भविष्य संवारने की सार्थक पहल!

सोनम लववंशी

बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में जब शिक्षा प्रणाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गई है, बच्चों पर मानसिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। परीक्षा और करियर की चिंता ने उनकी मासूमियत को छीन लिया है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते और अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगभग 12,000 छात्र परीक्षा और करियर संबंधी तनाव के कारण आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लेते हैं। यह स्थिति समाज के लिए एक गहरी चिंता का विषय है। ऐसे में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी किया गया पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल एक नवाचार है, बल्कि यह बच्चों की शिक्षा को तनावमुक्त और आनंदमय बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी है। इस पहल का मूल उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को सशक्त करना है, जिससे बच्चों को एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और सहयोगी वातावरण मिल सके।

एक बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका शैक्षणिक प्रदर्शन। शोध बताते हैं कि जिन बच्चों को अपने अभिभावकों और शिक्षकों से निरंतर समर्थन मिलता है, वे न केवल अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता भी मजबूत होती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, जिन बच्चों के माता-पिता स्कूल की गतिविधियों में भाग लेते हैं, वे 30 प्रतिशत अधिक आत्मविश्वासी होते हैं और उनकी सीखने की क्षमता भी 20 फीसदी तक बेहतर होती है। सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर इसी दिशा में एक ठोस प्रयास है। इस कैलेंडर को तैयार करने के लिए सीबीएसई ने जनवरी 2025 में एक दस सदस्यीय कमेटी का गठन किया था, जिसने विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी सिफारिशें दीं। इन सिफारिशों के आधार पर अप्रैल 2025 से इस पहल को लागू किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जो शिक्षा में भागीदारी और समग्र विकास पर बल देती है। यह कैलेंडर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सतत संवाद को बढ़ावा देगा और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान करेगा।

आज की शिक्षा प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर विषय बन गया है। परीक्षा के दिनों में बच्चों का तनाव चरम पर होता है, जिससे उनकी निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास प्रभावित होते हैं। ऐसे में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच समन्वय बहुत आवश्यक हो जाता है। यह कैलेंडर इस समन्वय को बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन कर-के वे अपने बच्चों को बेहतर सहायता प्रदान कर सकते हैं। बच्चों की शिक्षा केवल स्कूल तक सीमित नहीं होती; उनके विकास में घर का वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब अभिभावक बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो बच्चों की सीखने की क्षमता बेहतर होती है। पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि बच्चों के साथ अभिभावकों के भावनात्मक संबंध को भी मजबूत करेगा।

इसके अतिरिक्त, इस पहल से स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे शिक्षा का स्तर भी सुधरेगा। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की प्रगति की निगरानी करते हैं, तो बच्चों का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से बेहतर होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी अधिक होती है, वहां छात्रों के परीक्षा परिणाम 15-20 फीसदी तक बेहतर होते हैं। ऐसे में सीबीएसई की इस पहल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। डिजिटल युग में, जहां बच्चे स्क्रीन पर अधिक समय बिताते हैं और परिवारों के बीच संवाद की खाई बढ़ती जा रही है, यह कैलेंडर न केवल संवाद बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव भी लेकर आएगा। यह कैलेंडर बच्चों की शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न रखते हुए उनके समग्र विकास पर केंद्रित करेगा और निःसन्देह सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर शिक्षा क्षेत्र में एक प्रभावी और सराहनीय प्रयास है। यह केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाला एक सशक्त माध्यम है। जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर कार्य करेंगे, तो बच्चों की शिक्षा न केवल प्रभावी होगी, बल्कि वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। यह पहल शिक्षा प्रणाली में एक नए युग की शुरूआत करने की क्षमता रखती है, जहां बच्चे तनावमुक्त होकर अपने भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग कर-के देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है।

इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

फूड डिलीवरी : एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

रजनीश कपूर

आज की तेज-रफ्तार दुनिया में दस मिनट फूड डिलीवरी सेवाएं क्रांति की तरह उभरी हैं। लोग अपने व्यस्त जीवन में समय बचाने के लिए इन सेवाओं पर निर्भर हो रहे हैं। स्विगी, जोमैटो, और अन्य स्टार्टअप्स ने 'हाइपर-लोकल डिलीवरी' के नाम पर भोजन को रिकॉर्ड समय में ग्राहकों तक पहुंचाने का वादा किया है। लेकिन क्या यह सुविधा वाकई इतनी लाभकारी है, जितनी दिखाई देती है? दस मिनट की फूड डिलीवरी कितनी सार्थक है? विज्ञापन की चकाचौंध भरी दुनिया में इस सेवा के ऐसे कौन से बिंदु हैं जिन्हें अनदेखा कर दिया जाता है।

जब भी कभी किसी रेस्टोरेंट पर दस मिनट की डिलीवरी का ऑर्डर आता है, तो उन पर इतना अधिक दबाव होता है कि अक्सर खाने की गुणवत्ता पर ध्यान देने की बजाय जल्दबाजी में ऑर्डर तैयार करते हैं। ताजा सामग्री का उपयोग, स्वच्छता और स्वाद को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, एक बर्गर जो सामान्य रूप से 20 मिनट में तैयार होता है, को 10 मिनट में बनाने के लिए पहले से तैयार पैटीज या कम गुणवत्ता वाली सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है, बल्कि पोषण गुण भी कम हो जाता है। दस मिनट की डिलीवरी का सबसे बड़ा नुकसान डिलीवरी कर्मचारियों को होता है। इन कर्मचारियों को असंभव समय-सीमा के भीतर ऑर्डर पहुंचाने के लिए कहा जाता है। सड़कों पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में देश में डिलीवरी कर्मचारियों की दुर्घटनाएं 30प्र. तक बढ़ी हैं। इसका एक बड़ा कारण 'हाइपर-फास्ट डिलीवरी' मॉडल है। इसके अलावा, ये कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना किसी स्वास्थ्य/दुर्घटना बीमा के और अनि□□त नौकरी की स्थिति में काम करते हैं। उनकी मानसिक-शारीरिक सेहत पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। तेज डिलीवरी का पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। डिलीवरी वाहनों की संख्या बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है। दस मिनट में डिलीवरी के लिए छोटे-छोटे ऑर्डर अलग-अलग वाहनों से पहुंचाए जाते हैं जिससे ईंधन की बबार्दी होती है। पैकेजिंग में उपयोग होने वाला प्लास्टिक और डिस्पोजेबल कंटेनर भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में फूड डिलीवरी उद्योग हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिसाइकिल नहीं हो पाता। दस मिनट में डिलीवरी मॉडल इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि जल्दबाजी में पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग पर ध्यान नहीं दिया जाता।

यह डिलीवरी मॉडल बड़े डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा संचालित होता है, जो रेस्तरांओं से भारी कमीशन वसूलते हैं। छोटे और स्थानीय रेस्तरां, जो पहले से ही कम मार्जिन पर काम करते हैं, इस दबाव को झेल नहीं पाते। कई बार उन्हें अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं, या गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है। परिणामस्वरूप कई छोटे रेस्तरां बंद हो रहे हैं, और बाजार पर बड़े खिलाड़ियों का दबदबा बढ़ रहा है। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि ग्राहकों के लिए विकल्पों की विविधता को भी कम करता है। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन, जो जल्दी तैयार हो जाता है, इस मॉडल में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिसमें मोटापा, मधुमेह, और रुदय रोग जैसी समस्याएं शामिल हैं।

दस मिनट में डिलीवरी पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर है। ग्राहकों को बार-बार ऐप का उपयोग करना पड़ता है, जिससे उनकी निजी जानकारी पता, फोन नंबर और भुगतान विवरण आदि इन प्लेटफॉर्म्स के पास जमा हो जाती है। डेटा उल्लंघन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, और यह जोखिम बना रहता है। भारत में खाना पेट भरने भर का साधन नहीं है; यह सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव भी है। परिवारों का एक साथ खाना बनाना-खाना सामुदायिकता को बढ़ावा देता है। दस मिनट में डिलीवरी इस अनुभव को कमजोर कर रही है। लोग अब रेस्तरां में जाकर खाने की बजाय घर से ऑर्डर करना पसंद करते हैं, जिससे सामाजिक मेलजोल कम हो रहा है।

स्थानीय व्यंजनों की जगह फास्ट फूड चेन का प्रभुत्व बढ़ रहा है, जो सांस्कृतिक विविधता के लिए हानिकारक है। बेशक, दस मिनट की डिलीवरी रोजगार सृजन करती है, लेकिन आर्थिक असमानता को भी बढ़ावा देती है। यह मॉडल खाद्य गुणवत्ता से लेकर पर्यावरण, डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा से लेकर स्थानीय अर्थव्यवस्था तक, कई क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हमें सोचना होगा कि क्या हमें वाकई हर चीज इतनी जल्दी चाहिए या हम थोड़ा धीमा चल कर स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली चुन सकते हैं। सरकार, कंपनियों, और ग्राहकों को मिल कर इस मॉडल को और जिम्मेदाराना बनाने की दिशा में काम करना होगा। स्थायी और नैतिक डिलीवरी प्रथाओं को अपना कर हम सुविधा और जिम्मेदारी का संतुलन बना सकते हैं।

किश्तवाड़ में मुठभेड़ दौरान एक आंतकी की मौत

किश्तवाड़(एजेंसी)। किश्तवाड़ के छतरू में जारी मुठभेड़ दौरान सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। इस दौरान एक आतंकी के इंकाउटर की सूचना मिली है। इसकी पुष्टि खुद अधिकारियों ने की है। छतरू के जंगली क्षेत्र में 9 अप्रैल को संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया था। तभी शाम के समय जंगल में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, इसके जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलियां चलाई और मुठभेड़ शुरू हो गई।

सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा, 18 घंटों से भूखे-प्यासे बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के गुरुद्वारों के दर्शन के लिए दिल्ली से रवाना हुए सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत से करीब करीब 6,000 सिख श्रद्धालु सुबह 6 बजे से वाघा बॉर्डर पर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें अभी तक पाकिस्तानी प्रशासन की ओर से इजाज़त नहीं मिली है। इसमें से 288 श्रद्धालु अब भी बॉर्डर पर भूखे-प्यासे बैठे हैं और उन्हें न पाकिस्तान सरकार की तरफ से कोई सुविधा दी गई है और न ही पाकिस्तान गुरुद्वारा कमेटी का कोई प्रतिनिधि वहाँ मौजूद है। श्रद्धालुओं को पिछले 18 घंटों से ना खाना मिला है और ना ही पीने का पानी, जिससे उन सभी में भारी रोष है। यह स्थिति पाकिस्तान सरकार की गंभीर नाकामी को दिखाती है। श्रद्धालु बेहद असहाय महसूस कर रहे हैं और भारत सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों और संगठनों से अपील की जा रही है कि वे इस मामले को संज्ञान में लें और श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द राहत पहुंचाए।

रिहाइशी बिल्डिंग में आग लगने से मची अफरातफरी, गुजरात के गृह राज्यमंत्री का भी है बिल्डिंग में घर

सूरत (एजेंसी)। शहर के वेसू इलाके में आग लगने की घटना सामने आई है। वेसु इलाके में एक आलीशान फ्लैट में तड़के अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग उसी बिल्डिंग में लगी, जहां गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही हर्ष संघवी तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच के आदेश दिए। जानकारी के मुताबिक सूरत के वेसू इलाके में हैप्पी एन्क्लेव की सातवीं मंजिल पर आग लग गई। सातवीं मंझिल पर लगी आग की चपेट में तीन मंझिलें आ गईं। आग इतनी विकराल थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 10 टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। इस दुर्घटना में कुल 18 लोगों को बचा लिया गया। आग लगने के समय 15 लोगों को छत पर ले जाया गया था। अग्निशमन कर्मियों ने सभी लोगों को कपड़े से ढक दिया और उन्हें नीचे उतारा। वहां अग्निशमन व्यवस्था तो थी, लेकिन बड़ी दमकल गाड़ियों का परिसर में प्रवेश करना कठिन था। बताया जाता है कि नौवीं मंजिल पर फर्नीचर का काम चल रहा था, जहां लकड़ी, पीओपी, प्लाईवुड और फाइबर सामग्री रखी गई थी। जिसके कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इतना ही नहीं, आग नौवीं मंजिल से 10वीं और 11वीं मंजिल तक पहुंच गई थी। जानकारी के मुताबिक यह बिल्डिंग नवनिर्मित है। जिसके चलते नए मकान के अंदर नया फर्नीचर लगा होने के कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। गृहमंत्री हर्ष संघवी की सोसायटी में जब आग लगी तो मेयर और कमिश्नर समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आग लगने का कारण अभी भी अज्ञात है। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

दिल्ली में जिम जाते समय प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पश्चिम विहार में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की गई है। शुक्रवार सुबह इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। राजकुमार दलाल नाम के कारोबारी की हत्या तब हुई जब वह अपनी फॉर्च्यूनर कार में बैठकर जिम जा रहे थे। दिल्ली पुलिस को एसबीआई कॉलोनी के सामने एक गाड़ी पर कई राउंड फायरिंग की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने तुरंत राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया जहां, डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि राजकुमार को निशाना बनाकर 8-10 राउंड फायरिंग की गई। हत्या किसने और क्यों की यह अभी साफ नहीं है। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के द्वारा हमलावरों की पहचान शुरू की है। कारोबारी दलाल अपने घर से निकलकर कुछ ही दूर गए थे, कि हमलावरों ने गाड़ी के सामने आकर फायरिंग शुरू कर दी।

कोलकाता हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा बंगाल में कब शुरू होगी मनरेगा योजना

कोलकाता (एजेंसी)। जनहित की योजना मनरेगा को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा योजना को आखिर कब से फिर से शुरू किया जाएगा। अदालत ने साफ कहा कि फंड को हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और जस्टिस चैताली चटर्जी की बेंच ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि जब पूरे राज्य में गड़बड़ी केवल चार जिलों में हुई है, तो बाकी जिलों में योजना क्यों न शुरू की जाए?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चार जिलों हुगली, पूर्व बर्दवान, मालदा और दार्जिलिंग जीटीए में गड़बड़ी पाई गई थी। खुद राज्य सरकार ने भी इस बात को माना है। राज्य सरकार ने बताया कि इन चार जिलों में से 2.37 करोड़ रुपये वापस वसूल लिए गए हैं। जबकि कुल गड़बड़ी 5.37 करोड़ की थी। केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि 15 जिलों की जांच की गई है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि उसके पास जो दस्तावेज हैं, वे सिर्फ चार जिलों की जानकारी देते हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या बाकी जिलों में भी ऐसी ही सिफारिशें की गई थीं? और अगर नहीं, तो योजना को फिर से शुरू क्यों न किया जाए?

चिराग ने किया जाति जनगणना का समर्थन, तेजस्वी को बताया छोटा भाई

क्या नीतीश की तरह ही चिराग एनडीए में प्रेशर पॉलिटिक्स कर रहे

पटना (एजेंसी)। चिराग पासवान ने बिहार चुनाव से पहले कास्ट सेंसस का खुलकर सपोर्ट किया है। ये बात इसलिए महत्वपूर्ण है, कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना के लिए जोरदार मुहिम चला रहे हैं। गुजरात में हुए कांग्रेस अधिवेशन में भी राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधा था। सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना कराने की बात कही है। 2025 में बिहार के तीन दौरे कर चुके राहुल गांधी ने नीतीश कुमार के जातिगत गणना को फर्जी बताया था।

जातिगत जनगणना के पैरोकार लालू यादव भी हैं और राहुल गांधी की सक्रियता के कारण कहीं न कहीं टकराव की भी नौबत आ रही है। वहीं पीएम मोदी के हनुमान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लालू यादव की राजनीति को भी निशाने पर लिया है और ये जताने की कोशिश की है कि वह मुस्लिम-यादव की राजनीति को भी सही नहीं मानते हैं। चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की ये कहते हुए वकालत की है कि ऐसा होने से सरकार को लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने के लिए आंकड़े मिल जाएंगे।

खास बात ये है कि चिराग कतई नहीं चाहते कि जातिगत जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। उनका कहना है कि अगर जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी कर दिए तो जातिवाद को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ये विरोधाभासी लग सकता है कि मैं जाति की राजनीति को सपोर्ट नहीं करता, लेकिन जातिगत जनगणना का समर्थन जरुर करता हूं।

लालू परिवार के साथ रिश्तों को लेकर चिराग ने कहा कि कि उनके परिवार के रिश्ते लालू परिवार से हमेशा अच्छे रहे हैं और मैं खुले मंच पर ये बात कहता भी रहा हूंज्मैंने इसे कभी छिपाया भी नहीं हैज्जैसे रिश्ते मेरे पिता के वक्त थे, वैसा आज भी हैज्तेजस्वी को मैं अपना छोटा भाई मानता हूं। लालू यादव की मुस्लिम-यादव पॉलिटिक्स को राजनीति के रूप में जाना जाता है। चिराग का कहना है कि मेरे लिए इसका का अलग मतलब है। मेरे 5 सांसदों में से 2 महिलाएं हैंज मैं 14 करोड़ बिहारियों की बात करता हूंज जैसे ही बिहारी बिहार से बाहर निकलते हैं और जाति से बाहर निकलते हैं, वे हर फील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। चाहे वह मीडिया क्षेत्र हो, कॉर्पोरेट हो या फिर नौकरशाही।

कास्ट सेंसस की पैरवी तो चिराग पासवान को राहुल गांधी की तरफ ले जाती है और ऐसा लगता है वो भविष्य में तेजस्वी यादव के साथ जाने का भी इशारा कर रहे हैं। लेकिन, मुस्लिम-यादव फैक्टर की उनकी नई परिभाषा तेजस्वी के खिलाफ जाती है, बल्कि उसमें मोदी के मन की बात भी छिपी हुई लगती है।

चिराग पासवान भी लगता है, नीतीश कुमार की तरह एनडीए में प्रेशर पॉलिटिक्स करने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे भी, बीजेपी और नीतीश कुमार की वजह से चिराग ने जो फजीहत झेली है, वह भूल पाना तो उनके लिए मुश्किल ही होगा। वह कहते हैं अगर आप अपने आपको मजबूत रखते हैं, तो कोई आपको निगल नहीं सकता।

वक्फ कानून पर एनडीए में दिखी दरार, साथी दल ने कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। नया वक्फ कानून बनकर तैयार हो गया है और 18 अप्रैल से इसे लागू करने की संभावना भी जताई जा रही है। इससे पहले एनडीए के घटक दल नेशनल पीपुल्स पार्टी इंडिया (एनपीपी) के नेता व मणिपुर के क्षेत्रगाओ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक शेख नूरुल हसन ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। इसके अलावा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए, इसे रद्द करने की मांग की है। मणिपुर में एनडीए के घटक एनपीपी के विधायक हसन ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपनी याचिका में वक्फ कानून में किए गए उस बदलाव पर चिंता जाहिर की है, जिसमें इस्लाम का पालन करने वाले अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को अपनी संपत्ति वक्फ को देने से वंचित किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यह उनके अपने धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में कहा गया वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की धारा 3ई अनुसूचित जनजाति के सदस्यों (पांचवीं या छठी अनुसूची के तहत) के स्वामित्व वाली भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने से रोकती है। एनपीपी विधायक ने अपनी याचिका में कानून में किए गए संशोधन न सिर्फ मनमाना है बल्कि मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों को नियंत्रित करने का प्रयास है। याचिका में कहा गया है कि कानून में किए गए संशोधन मनमाने प्रतिबंध लगाता है और इस्लामी धार्मिक बंदोबस्तों पर राज्य नियंत्रण बढ़ाता है। याचिका में कहा कि वक्फ कानून में किए गए बदलाव वक्फ के धार्मिक चरित्र को विकृत करेंगे और साथ ही वक्फ और वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएंगे।

नीमराना में महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती मनाई

महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर डाला प्रकाश

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना कस्बे के होली टीबा मैदान पर शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती मनाई गई। सामाजिक संगठनों के द्वारा महान महापुरुष ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर प्रतिमा को माला डालकर दीप प्रज्वलित किया गया। वक्ताओं के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवनी पर प्रकाश डाला गया तथा महात्मा ज्योतिबा फुले के द्वारा समाज के लिए किया गया उनके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्य को लेकर चर्चा की गई। महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का कार्यक्रम नीमराना नगर पालिका पूर्व उप चेयरमैन हरि सिंह सैनी एवं समाज के अध्यक्ष परमानंद सैनी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पूर्व उपचेयरमैन हरिसिंह सैनी ,सैनी समाज के अध्यक्ष परमानंद सैनी, अशोक कुमार सैनी डीलर, थावरमल सैनी, यादराम सैनी, घासीराम सैनी,चुन्नीलाल सैनी, राजेश सैनी, संजय सैनी, मंगूराम सैनी, मोतीलाल सोनी, जगराम सैनी, रामावतार सैनी, अजय मिश्रा, सुभाष सैनी, अमित जोगी, जंगली राम सैनी, मुरारी लाल सैनी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

'बिहार में हर कोई बदलाव चाहता है', प्रशांत किशोर का दावा, जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग

पटना (एजेंसी)। अपनी पहली रैली से पहले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में लोग बदलाव चाहते हैं। जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़ा था जिसमें वे अपना खाता खोलने में विफल रहे। अपनी 'बदलाव रैली' किशोर ने कहा कि लोग बिहार में एक 'विकल्प' चाहते हैं, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की संस्कृति दूसरों से अलग है।

किशोर ने कहा कि इसे 'बदलाव रैली' इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब मैं 2 साल तक चला, तो मैंने एक ही शब्द सबसे ज़्यादा सुना- बदलाव। चाहे वो आरजेडी के समर्थक हों, बीजेपी के या फिर नीतीश कुमार के, हर कोई

बिहार में बदलाव चाहता है। वे बिहार में एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं। वे बिहार में शिक्षा और नौकरियों के बारे में बात करना चाहते हैं। जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग है। आप हमारे कार्यकर्ताओं को जबरन वसूली, लूटपाट और मारपीट करते नहीं पाएंगे। वे अपना कार्यक्रम अनुशासित तरीके से करेंगे।'

पटना के गांधी मैदान में रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसके महत्व पर जोर देते हुए किशोर ने कहा, 'जनता से हमारा संवाद जारी रहेगा लेकिन आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार में जन सुराज के गठन के बाद यह पार्टी की पहली बैठक है। हम गांधी मैदान में एक साथ बैठेंगे।' रैली के बारे में आगे बोलते हुए, किशोर ने कहा कि इसका बिहार की राजनीति पर 'प्रभाव' पड़ेगा और लोग जन सुराज को 'मजबूत विकल्प' के रूप में देखेंगे। किशोर ने कहा, 'इस रैली का बिहार की राजनीति पर इस तरह प्रभाव पड़ेगा कि बिहार के लोग जो विकल्प के अभाव में भाजपा या राजद को चुन रहे थे, वे अब जन सुराज के रूप में एक मजबूत विकल्प देख सकते हैं और इस पर उनका भरोसा मजबूत होगा।'

संजय राउत का दावा: सरकार बिहार चुनाव के दौरान राणा को देगी फांसी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि मुंबई आतंकी हमलों का साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सरकार बिहार चुनाव के दौरान ऐसा करेगी। राणा को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कराने के बाद भारत लाया गया है और फिर उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा को गुरुवार को एक विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जिससे कई दिन से जारी इन अटकलों पर विराम लग गया कि उसे कब और कैसे प्रत्यर्पित किया जाएगा। राउत ने मांग की कि कुलभूषण जाधव को वापस लाया जाए। जाधव को 2016 में गिरफ्तार कर लिया गया था और कथित जासूसी के लिए पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को मनगढ़ंत बताकर खारिज किया था।

नई दिल्ली के मुताबिक जाधव को ईरान में अगवा किया गया था, जहां उनके वैध व्यापारिक हित थे और उन्हें पाकिस्तान लाया गया। जाधव को बचाने के लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय अदालत का रुख किया, जिसने पाकिस्तान को उनकी फांसी पर रोक लगाने का आदेश दिया था। राउत ने कहा कि राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए लेकिन उसे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान फांसी दी जाएगी। राउत ने कहा कि राणा को भारत लाने के लिए 16 साल से लड़ाई चल रही थी और यह कांग्रेस के शासन के दौरान शुरू हुई थी।

उन्होंने कहा कि इसलिए राणा को वापस लाने का श्रेय किसी को नहीं लेना चाहिए। राउत ने कहा कि राणा भारत प्रत्यर्पित होने वाला पहला आरोपी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 1993 के सिलसिलेवार बम विस्फोट के आरोपी अबू सलेम को भी भारत प्रत्यर्पित किया गया था। उन्होंने यह भी मांग की कि आर्थिक भगोड़े नीरव मोदी और मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किया जाए।

हनुमान जयंती पर शोभायात्रा मे सुन्दर झाँकी प्रस्तुत

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः समस्त ब्राह्मण एवं सर्व समाज सामुहिक विवाह समिति के संत एच आर पालीवाल के सानिध्य मे बजरंग सेना मेवाड़ के तत्वावधान में सुन्दर झाँकी का हनुमान जयंती के उपलक्ष्य मे प्रस्तुतीकरण किया गया। समिति के देहात अध्यक्ष हेमन्त सालवी ने बताया कि शोभायात्रा टाउन हॉल से सांय सवा चार बजे उदयपुर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः बजरंग सेना मेवाड़ कार्यालय टाउन हॉल मे समाप्त होगी।शोभायात्रा मे झाँकी के साथ जिलाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, अध्यक्ष महर्षि सारस्वत, प्रकाश भावसार, हीरा भाई चंदानी, प्रेम लता पालीवाल, खुशवंत पालीवाल, खुशबु पालीवाल व मनीष मिश्रा साथ रहे। संत पालीवाल द्वारा मुकुट धारी छोटे हनुमान व बड़े हनुमान जी के किरदार की झाँकी सजाई गई। जिसमें बड़े हनुमान के रूप में रणवीर मिश्रा व छोटे हनुमान के रूप मे कनिष्क पालीवाल ने भूमिका अदा की। जिसके फोटो संलग्न है, उक्त जानकारी समिति के बांसवाड़ा प्रभारी नवनीत त्रिवेदी ने दी। जिनके फोटो संलग्न हे।

भाजपा महिला मोर्चा द्वारा ज्योति बा फुले जयंती मनाई

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: बांसवाड़ा में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा ज्योति बा फुले जयंती मनाई गई जिसमें मेडिकल कॉलेज की छात्राओं के साथ एक गोष्ठी आयोजित कि गई जिसमें भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीतल भंडारी मुख्य वक्ता धर्मिष्ठा पण्ड्या रही जिसने ज्योति बा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला विधवा पुनर्विवाह सामाजिक कुरीतियां दूर करने के भरसक प्रयास किया इस गोष्ठी में पुनर्विवाह करने वाले विनिता कंसारा उनके पति अजय चौहान को सम्मानित किया गया गोष्ठी में रंजना भावसार कुसुम जोशी अंजलि निनामा विणा पुरोहित टिना गरासियाआ रचना साक्षी कीरण नीधि सुहाना आदि छात्राओं ने भाग लिया।

ज्योतिबा फूले जयंती हर्षोल्लास से राजस्थान मेघवाल समाज संस्था, अलवर ने मनाई, प्रतिमा का माल्यार्पण किया और परिचर्चा की

मरुधर विशेष

अलवर (सुनील मेघवाल) राजस्थान मेघवाल समाज संस्था जिला अलवर की ओर से महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती शुक्रवार को हर्षोल्लास से मनाई गई।सुबह संस्था के सदस्यों ने फूले सर्किल अलवर पर उपस्थित होकर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयजयकार के नारे लगाए तथा माल्यार्पण किया और उनके जीवन दर्शन तथा शिक्षा का प्रचार प्रसार, अंधविश्वास कुरीतियों के उन्मूलन, शोषण मुक्त व समता मूलक समाज का निर्माण आदि के योगदान के विषय में परिचर्चा की। इस अवसर पर निहाल सिंह कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान मेघवाल समाज संस्था ,डॉ बी आर शास्त्री जिलाध्यक्ष अलवर, थावरमल कोषाध्यक्ष, डॉ महेश गोठवाल महासचिव, सूरजभान मेहरा ,जीपी वर्मा, देव प्रकाश व्याख्याता, प्रेम कुमार वर्मा, राजेश गोठवाल, ,आर एस गोठवाल, मास्टर सहीराम, एडवोकेट कालूराम बलाई, डॉ जगतपाल, विनोद, लक्ष्मण प्रसाद प्राचार्य, रूपराम अलारिया ,राजलक्ष्मी, विनोद गोठवाल, बालकृष्ण, राजेश गोठवाल संजय गोठवाल और भागीरथ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले जी क़ो भारत रत्न देना चाहिए सरिता जसबीर सैनी

मरुधर विशेष

बावल सुनीता सैनी बावल महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती पर लाइनपार में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेता जसबीर सैनी की धर्मपत्नी सरिता जसबीर सैनी नें उनके नमन करते हुए केंद्र सरकार से भारत -रत्न देने की मांग की सरिता सैनी नें कहा की उन का समस्त जीवन समाजहित के लिए समर्पित था फुले साहब ने समाज में समानता, शिक्षा और न्याय के दीप जलाए। उन्होंने स्त्री शिक्षा,दलित उत्थान और जातिवाद के खिलाफ एक क्रांतिकारी आंदोलन खड़ा किया। आज उनके विचार और संघर्ष हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सरिता जसबीर सैनी नें कहा की इस पावन अवसर पर उनके आदर्शों को आत्मसात करें और समतामूलक समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। वही सैनी नें समाज के लोगो से आग्रह किया की फुले के पद चिन्हो पर चलते हुए अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार दे द्य वही सरिता सैनी नें प्रदेश की नायब सरकार से उनकी जयंती पर सरकारी अवकाश रखने की मांग की द्य वही प्रदेश के कॉलेज, विद्यालय, पार्क, चौक, के नाम महान समाज सुधारक फुले के नाम से रखने की भी मांग की इस अवसर पर सरिता सैनी के साथ कोमल, शिवानी, पूजा, रोशनी, दीपा, मोनिका, प्रियंका, संकेत, वनिता, ऋतू, केतकी, सीमा, ललिता, आदि मौजूद रहे

श्रीमान विशाल यादव राजस्थान स्टेट मुख्य संपादक के रूप में आज से मुख्य भूमिका में रहेंगे

मरुधर विशेष

श्रीमान विशाल यादव जी आज शुक्रवार 11अप्रैल 2025 से मुख्य संपादक राजस्थान के रूप में मार्गदर्शन करेंगे हमें विशाल यादव जी एवं सुनील कुमार सह संपादक के साथ मिलकर सभी पत्रकार बंधुओं को मरुधर विशेष को ऊंचाइयों पर लेकर जाना है

आज हनुमान जन्मोत्सव पर कुशलगढ़ में निकलेगा भव्य चल समारोह

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढः नगर के बावलिया खार हनुमान मंदिर से इस वर्ष हनुमान जन्मोत्सव पर एक भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया है। यह आयोजन नगरवासियों की आस्था और धार्मिक एकता का प्रतीक होगा। चल समारोह आज दिनांक 12 अप्रैल 2025 को दोपहर 3:00 बजे से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ विभिन्न धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए सम्पन्न होगा। शोभायात्रा में झाकियां, बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, अखाड़ों के प्रदर्शन, और हनुमान जी की विभिन्न लीलाओं का सजीव चित्रण शामिल होगा। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक सौहार्द, एकता और सद्भावना का संदेश देना है। चल समारोह में नगर के विभिन्न समाज, संस्थाएं, युवा मंडल और महिलाएं बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आयोजकों ने नगरवासियों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में भाग लें और इसे सफल बनाएं। नगर प्रशासन, पुलिस विभाग और स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग भी सुनिश्चित किया गया है। ताकि शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो।

विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा द्वारा 14 अप्रेल बाबा साहेब अम्बेडकर जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा द्वारा 14 अप्रेल बाबा साहेब अम्बेडकर जन्म दिवस पर अम्बेडकर सर्कल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी विप्र फाउंडेशन प्रदेश महामंत्री योगेश जोशी ने देते हुए बताया इस शिविर हेतु सपना फाउंडेशन, पंच धोबी सेवा सस्थान, बंजारा सेवा सस्थान, सर्व सनातन जागरण मंच, सनातन धर्म सभा सहयोगी सस्थान के रूप मे साथ है। रक्त संग्रह के लिए महात्मा गाँधी अस्पताल की टीम नरेंद्र बघेल के नेत्रत्व मे उपस्थित रहेगी। वही रक्त दान शिविर सवेरे 9.30 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

14 अप्रैल को वार्षिकोत्सव एवं मामा बालेश्वर दयाल प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: मामा बालेश्वर दयाल राजकीय महाविद्यालय, कुशलगढ़ में 14 अप्रैल को भव्य वार्षिकोत्सव एवं स्व. मामा बालेश्वर दयाल जी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन महाविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से प्रेरणादायक एवं ऐतिहासिक रूप में संपन्न होगा। प्राचार्य महेन्द्र कुमार देपन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजकुमार रोत (सांसद बांसवाड़ा) अध्यक्षता श्रीमती रमीला खडिया (विधायक, कुशलगढ़),विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री भीमा भाई डामोर (पूर्व संसदीय सचिव) एवं श्री कानहिंग रावत (प्रधान, कुशलगढ़) उपस्थित रहेंगे।इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, साथ ही भामाशाहों, मेधावी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों पत्रकारबन्धुओं का सम्मान किया जाएगा। ये जानकारी प्राचार्य महेन्द्र कुमार देपन ने दी।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित जेल प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा 2024 कल

मरुधर विशेष

डीग, । राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित जेल प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा 2024 कल दिनांक 12 अप्रैल 2025 को डीग जिले में डीग, कुम्हेर और नगर के परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पारी प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं दूसरी पारी दोपहर 3:00 बजे से सांय 5:00 तक रहेगी। इस दौरान कुल 17 परीक्षा केंद्रों में कुल 8352 अभ्यर्थी दो पारियों में परीक्षा देंगे। प्रत्येक पारी में 4176 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

गृह राज्य मंत्री ने की ग्राम पंचायत जलालपुर में रात्रि चौपाल

भजनलाल सरकार की मंशा के अनुसार प्रकरणों का निस्तारण कर आमजन को पहुंचाएं राहत- बेढ़म

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, -। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बुधवार को डीग जिले के ग्राम पंचायत जलालपुर के ग्राम निहाम में रात्रि चौपाल कर आमजन की परिवेदनाएं सुनी एवं अधिकारियों को समस्याओं के तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने परिवादियों की एक-एक कर समस्याओं को गंभीरतापूर्वक एवं संवेदनशीलता के साथ सुनकर मौके पर अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

गृह राज्य मंत्री के रात्रि चौपाल में आए 150 से अधिक प्रकरण

जनसुनवाई में उन्होंने कहा कि अधिकारी राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन की समस्याओं को हल करें। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि आमजन को योजनाओं का

लाभ मिलने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का भी समाधान किया जाए। समस्या समाधान के लिए आमजन को परेशान नहीं होना पड़े। इस दौरान बिजली, सिंचाई, पानी, सड़क, अतिक्रमण सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित 150 से अधिक प्रकरण आये। गृह राज्य मंत्री ने समस्त प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए परिवादियों को राहत पहुंचाने के निर्देश जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए।

पेंशन संबंधित प्रकरणों को गंभीरता से

ले अधिकारी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के वृद्धजन पेंशन योजना से संबंधित एक बुजुर्ग महिला गृह राज्य मंत्री के रात्रि चौपाल में पहुंची। उन्होंने बताया कि 5-6 महीने से पेंशन न मिलने के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें घर चलाने में भी दिक्कत आती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अवगत कराया की किसी ने जमीन एग्रीमेंट कर फर्जी तरीके से उनकी संपत्ति ले ली है। बुजुर्ग महिला की पीड़ा को श्री बेढ़म ने धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा इस प्रकरण पर ध्यान ने देने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उपस्थित विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि वह पेंशन संबंधित प्रकरणों को गंभीरता से ले।

रामआश्रय जैसे योजना बुजुर्गों को दे रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार की प्रमुख मंशा है कि राज्य सरकार के वृद्धजनों को सुगमतापूर्वक बेहतर सुविधाएं मिले। ऐसे में नियमित रूप से पेंशन ना आने के कारण असहजता होती है। योजनाओं का लाभ महिला को दिलाने के लिए उन्होंने अधिकारी को मौके पर निर्देशित किया कि वह एक कर्मचारी की ड्यूटी लगाकर महिला की समस्या का समाधान करवाए। वहीं उन्होंने तहसीलदार सीकरी को भी निर्देशित किया कि वह जमीन एग्रीमेंट के मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरी फेक्चुअल रिपोर्ट बनाकर समुचित कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक जिला अस्पताल में वृद्धजनों की सेवा एवं उपचार के लिए रामआश्रय जैसे योजना लाकर बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के क्रम में एक बड़ी पहल की है। ऐसे में अधिकारियों का यह दायित्व है कि वह सरकार से दिया गया एक-एक रुपए का लाभ आमजन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने एसडीएम सीकरी को भी निर्देशित किया कि वह गेहूं, दाल आदि खाद्य सामग्री बुजुर्ग महिला को मुहैया करवाए।

स्वामी स्वतंत्रतानंद जी की 114 वी जयंती वर्ष महर्षि दयानंद सेवाश्रम कुशलगढ में बांसवाडा और कुशलगढ़ के सयुक्त तत्वावधान में मनाई

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: आज दिनांक 1अप्रैल 2025 को स्वामी स्वतंत्रतानंद जी की 114 वी जयति वर्ष महर्षि दयानंद सेवाश्रम कुशलगढ में बांसवाडा और कुशलगढ़ के सयुक्त तत्वावधान में मनाई गई । स्वामी स्वतंत्रानंद जी महाराज आज़ादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानी थें। देश की आज़ादी के बाद स्वामी जी ने समाज सेवा की जिम्मेदारी ली और उन्होंने बिहार से चलकर गुजरात, राजस्थान और मध्यप्रदेश के जनजाति वर्ग भील समाज के उत्थान की जिम्मेदारी ली। उन्होंने भारत सरकार द्वारा दी जानें वाली पेंशन से जनजातियों के मध्य शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया । स्वामी जी ने राजस्थान के बांसवाड़ा ,डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों से सेवाएं दी । जहां आज भी उनकी पेंशन से घर खरीदा और छात्रावास की स्थापना की। जनजातियों के उत्थान के लिए आजादी के बाद शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम प्रचारक स्वतंत्रता सेनानी स्वामी

स्वतंत्रतानंद जी महाराज थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विद्वान उज्जैन के ब्रमाचारी आचार्य मोहन जी आर्य थे। उन्होंने युवा पीढ़ी को डीजे पर नाचने पर दुःख व्यक्त किया और उन्होंने बताया कि एक समय था जब हमारे समाज का युवा और घोड़ा युद्ध के मैदान में नज़र आते थे । आज के समय में वहीं घोड़ा और युवा डीजे के पीछे नाचते हुए नज़र आ रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनना होगा । उन्होंने कहा हमें युवाओं के बारे में सोचना होगा उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि जब राजा दशरथ के पुत्र, राम लक्ष्मण, भरत के मार्ग पर चलने के लिए कहा न कि मुंगलकाल सम्राट शाहजहां के पुत्रों के मार्ग पर चलना है । जिनके चारों पुत्रों में से एक पुत्र औरंगजेब ने दारा, शुजा और मुराद के सिर काटकर शाहजंहा के पैरो में रख दिया था। राजपाट के लालच में औरंगजेब ने अपने पिता को जेल में डलवा दिया उन्होंने अन्न और पानी भी नसीब नहीं होने दिया, भूख से तड़पा तड़पा कर मार डाला। एक समय था जब युवा पीढ़ी वेद और गीता सार का पहला श्लोक याद रखते थे। लेकिन आज के युवाओं को हर किताब में उल्लेखित भारतीय संविधान की प्रस्तावना भी याद नहीं है।,, बिगड़े बोल के गाने हर बच्चे को याद हैं। कार्यक्रम में आश्रम प्रधान धर्मेंद्र आर्य आश्रम मंत्री भारत सिंह डिंडोर बांसवाड़ा आश्रम के मंत्री जीतमल जी पणदा , पूर्व बैंक मैनेजर सरदार सिंह कटारा, बांसवाड़ा आश्रम के व्यवस्थापक लव कुमार शास्त्री कुशलगढ़ आश्रम की व्यवस्था पर दिलीप कुमार शास्त्री एडवोकेट धर्मेंद्र कंसारा समाजसेवी मुकेश अग्रवाल, विनोद जी सोनी, श्यामलाल जी डिंडोर, बादर सिंह कटारा,भावचंद जी कटारा, वीरेंद्र जी चारेल, दीपक सिंह कटारा, कालू महाराज, दीपचंद महाराज, बहादुर महाराज, बिजिया मईडा शिवलाल डामोर ,भारत एड, वरसिंह मुनिया, अजय जी निगम,कमलेश डिंडोर, सुभाष मैडा, पोपटलाल मसार ,भारत सिंह, बहादुर सिंह कटारा, लखजी भाई, दिनेश खड़िया, केसर सिंह डोडियार, प्रकाश डामोर, मोतीसिंह डोडियार रमेश सुरावत, कैलाश एड, संजय एड, मनीष पारगी, कमलेश पारगी कार्यक्रम में महिलाएं , आश्रम के विद्यार्थी, सदस्य आदि लोग मौजूद थे। यह जानकारी आश्रम सदस्य केसर सिंह डामोर ने दी।

महेश जोशी(दासाहब) की स्मृति में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: आज मानवेंद्र क्लब में आदरणीय महेश जोशी(दासाहब) की स्मृति में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया था। फाइनल मुकाबला आज मानवेंद्र क्लब की टीम व टीम B के बीच में खेला गया। संघर्षपूर्ण मुकाबले में मानवेंद्र क्लब की टीम विजेता तथा टीम B उपविजेता रही ।समाज सेवी सरदार सिंह जी कटारा के मुख्य आतिथ्य में समापन समारोह में दोनों टीमों को नगद पुरस्कार दिया गया ।विजेता टीम को 2100 तथा उपविजेता टीम को 1500 का नगद पुरस्कार दिया गया। मानवेंद्र क्लब की टीम विजेता तथा टीम B उपविजेता रही । समापन समारोह में क्लब के निलेश मेहता, अशोक जोशी,इंद्रजीत सिंह राठौड़,प्रेम सिंह गणावा,बलवंत सिंह गणावा,शीतल मूसा, कांतिलाल मईडा,विपिन भट्ट,धर्मेंद्र सिंह चुंडावत,भंवर लाल कटारा आदि उपस्थित थे। यह जानकारी क्लब के सचिव अजय निगम ने दी।

रोडवाल गांव में हनुमान जी एवं शनि देव महाराज की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व निकाली कलश यात्रा

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) रोडवाल गांव में शुक्रवार को हनुमान जी महाराज और शनिदेव महाराज की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के लिए एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा बाबा मौलड़ नाथ आश्रम से शुरू हुई और गांव की विभिन्न गलियों, मंदिरों और चौपालों से होते हुए गुजरी। इस दौरान महिलाओं और पुरुषों ने गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं को विभिन्न झांकियों से सजाकर पुष्प वर्षा की और जगह-जगह इस कलश ध्वजा शोभायात्रा का स्वागत किया।

आगामी कार्यक्रमः

शनिवार को मंदिर परिसर में हनुमान जी महाराज की नव मंदिर निर्माण मूर्ति स्थापना समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर:
सुबह 10 बजे से शाम तक दिन भर भंडारा आयोजित होगा।
सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गायक कलाकार संजय पटेल, राजू गोला, कंचन यादव और अमिषा पुनिया द्वारा रागनी प्रतियोगिता प्रस्तुत की जाएगी।

हनुमान सेवा समिति के सदस्यः

इस आयोजन में हनुमान सेवा समिति के सदस्य ओमप्रकाश जौशी, गुरु जी कालूराम जौशी, शेरसिंह होलदर, अमरसिंह, तेजपाल, निहाल पंच, भानीसहाय, रामकुमार यादव, बाबूलाल, ज्ञान प्रकाश, नरेश कुमार, महेश कुमार और सामाजिक कार्यकर्ता नत्थूराम सैन सक्रिय रूप से शामिल हैं ख।

दुधेरी गांव में करंट लगने से 40 वर्षीय महिला की मौत, परिवार में पसरा मातम

खेतों में पानी की मोटर चलाते समय हुआ हादसा

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। उपखंड क्षेत्र के ग्राम दुधेरी में शुक्रवार को सुबह खेतों में पानी की सप्लाई के लिए मोटर चलाने पर करंट से चालीस वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। एएसआई उमरदीन ने बताया कि ग्राम दुधेरी मे 40 वर्षीय सुनीता पत्नी जयपाल सिंह शुक्रवार सुबह प्रातः 8:00 बजे खेतों में पानी की सप्लाई हेतु जैसे ही मोटर चलाने गई। स्टार्टर में करंट आने से बुरी तरह झुलस गई। पता चलने पर परिजन गंभीर रूप से झुलसी महिला को को लेकर कठूमर सीएचसी पहुंचे जहां डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी में रखवा दिया गया है। मृतका की मौत होने की सूचना पर गांव में मातम छा गया। और गमगीन माहौल में मृतका का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कठूमर में भगवान महावीर के जन्मकल्याणक पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम शोभायात्रा में जमकर थिरके श्रद्धालु

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर । कस्बे में भगवान महावीर के जन्मकल्याणक महोत्सव के मौके पर महिला मंडल द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान पलना झुलाई, भगवान महावीर का जन्म आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। जैन समाज के अध्यक्ष मुकेश सौंख व मंत्री नरेश बैनाडा ने बताया कि इस

दौरान महिला शालिनी जैन, श्वेता जैन,मिन्नी जैन, गुड्डन जैन, नीलम जैन ने भगवान महावीर के जन्म कल्याणक नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसके अलावा भाविका जैन रितिका जैन, पूर्वी जैन, पायल, अनुष्का जैन ने भी धार्मिक नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर अतिमा जैन गंगापुर ने श्रीजी की माल? की बोली लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर श्रीजी की पालकी सर्व प्रथम उठाने का अवसर कैलाश जैन, मुकेश जैन, पारस जैन व तथा प्रथम कलश की बोली लोकेश जैन सानिध्य जैन व द्वितीय कलश की बोली सोनेश जैन टिटपुरी ने लगाई। इससे पूर्व श्रीजी की पालकी आदिनाथ जैन मंदिर से बैंड-बाजे के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में धार्मिक भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। शोभायात्रा में भगवान महावीर के जीवन से सम्बंधित झाकियां शामिल थी। इस मौके पर श्रीजी की जगह जगह आरती की गई। शोभायात्रा नगर भ्रमण करती हुई आदिनाथ जैन मंदिर पहुंची जहां भगवान का अभिषेक किया गया। इस दौरान विजयपाल जैन, अमोलक चंद जैन, बसंतराम जैन, स्वरूप चंद जैन, नरेश बैनाडा, अनिल बैनाडा, शीतल जैन, संजय जैन, , लोकेश जैन, प्रदीप , डब्बू जैन, सोनू जैन,इन्द्रा जैन, वर्षा जैन, मंजू शिप्रा, नेहा, , सुमन, अर्चना, जूली, रिंकी, पूनम, आदि महिला मौजूद थी।

पंजाबी सभा खैरथल की बैसाखी पर्व को लेकर हुई बैठक, कल सुखमणि साहब का पाठ सहित आम लंगर का होगा आयोजन

मरुधर विशेष

विजय सिंह/मोहम्मद शकील खैरथल 11अप्रैल । बैसाखी पर्व को लेकर पंजाबी सभा खैरथल द्वारा पंजाबी भवन खैरथल में बैठक का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी पंकज खुराना ने बताया कि रविवार 13 अप्रैल को बैसाखी पर्व पर सुबह 9 बजे सुखमणि साहब का पाठ रखा जाएगा। भोग पश्चात 12 : 30 बजे से आम लंगर का आयोजन होगा। बैठक में समाज के मुखी गोविंद राम सोनी, अध्यक्ष कपिल शर्मा,पूरन चंद्र अरोड़ा,गोकुलनाथ कालड़ा, पवन कुमार अदलखा,मदनलाल कलरा, कृष्ण कुमार तनेजा,मेघराज अदलखा,गौरव,वासुदेव प्रतीक वासुदेव,महेंद्र छाबड़ा, ईशान ढींगरा,भारत भूषण,सुनीत तनेजा,डॉ प्रदीप मलिक,कश्मीरी लाल छाबड़ा,नितिन कालरा,मोनू ढींगरा,जसपाल मक्कड़, सुरजीत मदन,महेश भल्ला आदि उपस्थित रहे। खुराना ने बताया कि पंजाबी समाज के सभी सदस्य मिलजुल कर सेवा कर इस लंगर का आयोजन करते हैं । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य सुबह 5 बजे से ही अपनी सेवा देने में लग जाते हैं।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए मद्रायनी प्रिंटर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शाम्दा अलवर से प्रकाशित। मो. 9653906665, 7014373732